भोपाल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ की वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. रीना दीदी को एल.एन.सी.टी. यूनिवर्सिटी भोपाल के तीसरे दीक्षांत समारोह में पी.एच.डी. की डिग्री प्रदान की गई। उन्हें यह डिग्री स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म एवं मास कम्यूनिकेशन द्वारा 'कोविड 19 के दौरान भारत में सकारात्मकता को प्रचारित करने में आध्यात्मिक संचार की भूमिका का अध्ययन' पर शोध के तहत राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री भारत सरकार, मध्य प्रदेश शासन के मंत्री एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नेपाल-वीरगंज। सिमरा में आयोजित भव्य व्यापार महोत्सव में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल मधेश प्रदेश के मुख्य मंत्री सरोज यादव, नेपाल संघीय सरकार के पशुपक्षी मंत्री ज्वाला कुमारी साह तथा अन्य विशिष्ट व्यक्तियों को ब्रह्माकुमारीज़ वीरगंज सबज़ोन की मुख्य संचालिका ब्र.कु. रविना दीदी ने ईश्वरीय संदेश देकर ईश्वरीय सौगात भेंट की तथा उन्हें संस्थान के मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया। इस मौके पर ब्र.कु. गुणराज, ब्र.कु. मधु, ब्र.कु. गोवर्धन, ब्र.कु. गोकुल सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

कोलकाता-प.बंगाल। ब्रह्माकुमारीज़ के कोलकाता म्यूज़ियम सेवाकेंद्र द्वारा डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी,मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी,गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के सबऑर्डिनेट ऑफिस नेशनल एटलस एंड थीमैटिक मैपिंग ऑर्गनाइज़ेशन में 'पॉज़िटिविटी इन नेगेटिव सिचुएशन्स' विषय पर प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर ब्र.कु. सुप्रिया,राजयोगा टीचर,माउण्ट आबू तथा ब्र.कु. मुनीष,राजयोगा टीचर,कोलकाता ने सत्र को सम्बोधित किया। साथ ही विनोद कुमार सिंह,डायरेक्टर,एनएटीएमओ ने अपनी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में 250 सीनियर ऑफिसर्स उपस्थित रहे।

वैर-भरतपुर(राज.)। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के कार्यक्रम में शिव ध्वजारोहण करने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में आगरा सब ज़ोन सह प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. कविता दीदी, श्री रांगेय राघव महा विद्यालय के प्राचार्य बालकृष्ण शर्मा, ब्र.कु. गीता बहन, ब्र.कु. बबिता बहन, ब्र.कु. पावन बहन व ब्र.कु. संस्कृति बहन।

जयपुर वाटिका-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित शिव-शंकर की भव्य झाँकी एवं 121 कलश यात्रा का शिव ध्वज दिखाकर शुभारंभ करते हुए केशव होंडा शोरूम के मैनेजर दिनेश चौधरी। साथ हैं सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. ज्योति बहन, ब्र.कु. मीनल बहन तथा अन्य। यात्रा में 400 से अधिक ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

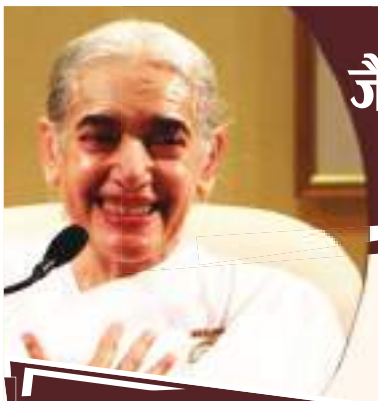

घर के गेट खोलने की चाबी... वैराग्य वृत्ति

जैसे-जैसे बाबा से सम्बन्ध जुटता... वैसे-वैसे गहरी प्राप्ति होती जाती

राजयोगिनी ब्र.कु.जयंती दीदी,अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़

गतांक से आगे...

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि बाबा ने हमें भी मास्टर प्यार का सागर बना लिया, प्रेम स्वरूप बना दिया, ताकि अन्य आत्माओं को भी हम उस प्यार का अनुभव करा सकें। निःस्वार्थ प्यार जिसमें हमें उन्हों से कुछ नहीं चाहिए। परंतु हम प्यार के सागर की लहरें उन्हों तक पहुंचाते रहें। अब आगे पढ़ते हैं...

तो जब हम गिनती करते हैं कितना हमें सबकुछ मिला है तो फिर उस हिसाब से बाकी क्या रहा जो हमें इस संसार से चाहिए! और जबकि ये सोचते हैं कि बाबा खुद भी हमारा बन गया, भाग्यविधाता खुद भी हमारा इतना ऊंचा भाग्य बना रहे हैं तो फिर उसमें भी हम सोचते हैं कि बस औरों के साथ हम शेयर करते चलें। बाकी हमको कुछ चाहिए ये संकल्प ही नहीं रहता। कई कहते हैं हमको अपने लिए नहीं चाहिए परंतु सेवा के लिए चाहिए। क्यों, क्योंकि अनुभव ये कहता कि जिस तरह से माँ-बाप को मालूम होता कि बच्चे को क्या ज़रूरत है तो बच्चे को ये मालूम नहीं होता कि वो उसका वर्णन कैसे करे। उसको पता नहीं होता, बहुत छोटा बच्चा है। उसको ये भी नहीं मालूम होता कि उसे भूख है या प्यास है। माँ को पता चलता कि अभी टाइम हुआ है इसको कुछ खिलाना ज़रूरी है। तो माँ इतना ध्यान रखती। और आजकल तो भारत में मैंने सुना है कि जैसे ही बच्चे पैदा होते वैसे ही उनका स्कूल में, रजिस्टर में नाम लिखवा देते कि फलाने स्कूल में ये दाखिल होगा जब ये चार साल का होगा, इतना इन एडवांस प्लैनिंग करनी होती है यहाँ। तो बच्चे ने नहीं कहा कि मुझे अच्छे स्कूल में भेजो। बाप ने सोच लिया पहले से ही कि ये तो मेरा बेटा है उसको बहुत अच्छी पढ़ाई पढने के लिए बहुत अच्छे स्कूल में भेजना चाहिए।

तो हर बात में माँ-बाप पहले से ही ध्यान रखते हैं कि बच्चों को क्या चाहिए और बच्चे पहले से ही अनजान हैं तो पहले से ही उसकी ऐसी तैयारी कर लेते हैं जिससे उनको सबकुछ मिल जाए तैयार। तो हम बाबा के पास आये, हमको मालूम नहीं था क्या-क्या बाबा के पास मिलने वाला है, किसने हमको परिचय दिया या कैसे भी करके हम बाबा के दर पर पहुंच गये। और ये भी पता नहीं था कि कोई इस दरवाजे के द्वारा हमारी सब मनोकामनायें पूर्ण होने वाली हैं।

> ज्ञान क्या है समझा नहीं था। प्यार क्या है वो तो अनुभव की बात थी। परंतु जब संकल्प आया कि दादी के पास कुछ ज्ञान सुनने की इच्छा आई तो फिर जैसे-जैसे ज्ञान सुनते गये तो फिर तो बुद्धि का ताला खुलता गया। यही संकल्प आया छह सप्ताह के अन्दर कि बस मुझे यही अपनी जीवन बनानी है।

मैं तो जब पहले-पहले दादी जानकी के पास उनके बहुत छोटे से सेन्टर पर गई। मुझे तो सिर्फ जानने की इच्छा थी कि यहाँ से मुझे कुछ एजुकेशन के लिए कुछ मिलेगा। क्योंकि बचपन से पता तो था ब्रह्माकुमारीज़ का कि बाबा-मम्मा, दादियों से मुलाकात भी हुई। परंतु ज्ञान क्या है समझा नहीं था। प्यार क्या है वो तो अनुभव की बात थी। परंतु जब संकल्प आया कि दादी के पास कुछ ज्ञान सुनने की इच्छा आई तो फिर जैसे-जैसे ज्ञान सुनते गये तो फिर तो बुद्धि का ताला खुलता गया। यही संकल्प आया छह सप्ताह के अन्दर कि बस मुझे यही अपनी जीवन बनानी है।

तो आपने भी जब बाबा के द्वार में प्रवेश किया तब आपको भी मालूम नहीं था कि क्या-क्या प्राप्ति होने वाली है। परंतु बाबा ने पहले से ही आपका आह्वान करके अपने पास बुला लिया। राइट टाइम पर आप पहुंच गये। ज्ञान की बातें सुनी, बुद्धि का ताला खुलता गया और आपने सोचा यही श्रेष्ठ योगी जीवन मुझे अपनी बनानी है। तो बाबा की मदद से चलते रहे, चलते रहे मधुबन भी पहुंच गये तो अपना लक्ष्य जो और ऊंचा है गति, सद्गति का वहाँ भी अवश्य ही पहुंच ही जायेंगे।

जब ज्ञान की पहचान होती उसमें भी खास बाबा की पहचान होती, और योग लगना शुरू होता तो योग के द्वारा बाबा शुरू में बहुत सुन्दर अनुभव कराते हैं मेरा तो अनुभव ये कहता। क्योंकि बाबा देखता है कि बिछड़ा हुआ बच्चा मेरे पास लौट के आया है तो बाबा खूब-खूब प्यार देते हैं। और फिर और आगे चलते तो बाबा की बहुत गहरी बातें समझ में आने लगती। तो जैसे-जैसे बाबा से सम्बन्ध जुटता जाता तो और गहरी प्राप्ति होती जाती। सहज वैराग्य वृत्ति उत्पन्न हो जाती। - क्रमशः

रीवा-म.प्र.। मानस भवन में होली एवं गीता ज्ञान यज्ञ के समापन कार्यक्रम में ब्र.कु. भारती दीदी, ब्र.कु. आदर्श दीदी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम,विधायक देवतालाब विधानसभा क्षेत्र, युवराज दिव्यराज सिंह विधायक सिरमौर क्षेत्र, नरेंद्र प्रजापति विधायक मनगवां, रीवा जनपद अध्यक्ष राजेश संगीता यादव, गंगेव जनपद अध्यक्ष विकास तिवारी, जवा जनपद अध्यक्ष बी.डी. रन्नौ पांडेय, पूर्व महापौर राजेश ताम्रकार, पूर्व महापौर वीरेंद्र गुप्ता, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह व लाल बहादुर सिंह, मानस विदुषी श्रीमती ज्ञान अवस्थी, मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पांडेय, मानस मंडल के सचिव अशोक तिवारी सहित रीवा संभाग के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारीगण जिनमें संयुक्त संचालक अनिल दुबे सामाजिक न्याय विभाग, डॉ. के.एल. नामदेव संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी एवं जिले के सभी मंदिरों के पुरोहित, यज्ञाचार्य एवं हजारों भक्तों सहित बड़ी संख्या में शहर के लोग व ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

दिल्ली-डेरावल नगर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रतीक स्पेशल स्कूल,पीतमपुरा दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांग जनों के लिए की गई अमूल्य सेवाओं के लिए ब्र.कु. लता बहन को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया।

सारनी-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'खुशियों का पासवर्ड' कार्यक्रम में मुम्बई से आये विश्वप्रसिद्ध कॉर्पोरेट ट्रेनर एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. सचिन परब ने गणमान्य नागरिकों को सम्बोधित किया। इस मौके पर लक्ष्मीकांत महापात्र,जीएम, डब्ल्यूसीएल पाथाखेड़ा, कैथवार जी,सीई,सतपुड़ा पॉवर प्लांट, सुभाष गुप्ता,डिप्टी चीफ इंजीनियर,सतपुड़ा पॉवर प्लांट, डॉ. रघुवंशी,मेडिकल ऑफिसर,सारनी, ब्र.कु. मंजू बहन,बैतूल, ब्र.कु. सुनीता बहन,सारनी, ब्र.कु. नंदकिशोर भाई आदि उपस्थित रहे।

तलेगांव-महा.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्रीमंत सरदार उमाराजे दाभाडे, श्रीमंत सरदार यादन्यसेनीराजे दाभाडे, ब्र.कु. प्रभा बहन, डॉ. कृतिका बहन तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

खांचरोद-म.प्र.। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती कार्यक्रम में शिव ध्वजारोहण करने के पश्चात् प्रतिज्ञा करते हुए नगर परिषद नामली उपाध्यक्ष पूजा योगी, सब जेल खांचरोद के जेलर सुरेंद्र सिंह राणावत, कथावाचक दिनेश व्यास, एडवोकेट परमानंद धाकड़, ब्रह्माकुमारीज़ रतलाम सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी, ब्र.कु. गीता दीदी, नामली सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. संगीता दीदी तथा अन्य।